Seminar Report:

Topic: Advancements and Strategies for Sustainable Development and Environmental Protection.

Date: 17-18 January 2023

Sponsorship: Ministry of Earth Science Government of India and Council of Science and

Technology, U.P., Lucknow.

Office Bearers:

Patron: Prof.(Dr.) Anuradha Tiwari, Principal

Convener: Prof. (Dr). Sharad Kumar Vaish

Co Convener: Dr. Pushpa Yadav, Dr. Jyoti and Parul Mishra.

Organising Secretary: Dr.Raghvendra Pratap Narayan

Co-Organising Secretary: Mr. Rahul Patel, Dr.Roshni Singh

Treasurer: Dr. Bhaskar Sharma.

This seminar was organised with the aim to focus on various components of sustainable development in the field of earth and atmospheric science, environmental science, physical and mathematical science, chemical and biological science, Information Technology computer science, Nano science, nanotechnology as well as economics, social, political and cultural strategies. This seminar provided platform to academician, industrialists, researchers and students at large to make serious debate on such global issues along with its solution to the challenges of Sustainable development and environmental protection.

There were six technical sessions, 4 on 17th with 1 Poster session in addition and remaining on 18th on following sub themes in the seminar which had been conducted along with inaugural session and valedictory sessions.

- 1. Advancements in Earth, atmospheric and environmental science.
- 2. Physical and mathematical advancements.
- 3. Chemical, Biological & Advancements
- 4. Economic, Social, Political & Cultural advancements
- 5. Advancements in Information technology & Computer sciences.
- 6. Nano science and nanotechnology
- 7. Advancement in Library and Information Science
- 8. Yoga and holistic health (Mental, physical & meditational)
- 9. NEP 2020
- 10. Post Covid Transformations.

The theme of the seminar was presented by the convener Prof. Sharad Kumar Vaish, the release of souvenir, Keynote address was given by Shri Amit Dharwadkar Deputy Director General Geological Servey Of India, Northern Region, which followed the address by Mr Pawan Singh Chauhan MLC Uttar Pradesh, Prof. Arun Mohan Sherri, Director IIIT Lucknow, Prof. N.K. Pandey, head department of Physics Lucknow University Lucknow, Professor Vijay Karan, Dean, Nav Nalanda Vishwavidyalay Bihar. The chief guest of seminar was Prof.SatydevPoddar vice chancellor MBB University Tripura.

The first technical Session, conducted with subtheme-Advancements in Earth, Atmospheric, Environmental science, Biological Science and Biotechnology was

Chaired by Prof. Raja Roy, Scientist F (Retd.), CBMR, SGPGI, Lucknow and it witnessed the presentation of 31 research papers. The second technical Session, conducted on the subtheme- Advancements in Physical Sciences, Chemical Sciences, Nano science and Nanotechnology was chaired by Prof. Rajiv Kumar Upadhyay, Department of Physics, Govt. Degree College Atrauli Aligarh. Total 20 participants presented their papers in this session. The third technical Session on the theme- Economical, Social, Political & Cultural advancements was conducted by Chair Person Prof. C. S. Verma, GIDS, Lucknow. Total 14 participants presented their papers. Fourth technical Session was conducted on the subtheme- Yoga and holistic health (Mental, Physical & Meditational) by Chair Person Dr. Rajesh Gangwar, Joint Director, CST, UP. Total 17 delegates presented their papers in this technical session. In the fifth technical session on sub theme- National Education Policy 2020, Mathematical and Computer science, Prof. K. S. Suman Acharya, Loyala College, Chennai was Chair Person. 11 participants from different institutions presented their papers in it. Sixth technical Session, on the theme-Post Covid Transformations, Information Technology, Library Science and Miscellaneous was conducted by Chair Person, Prof. Brijesh Pandey, Head, Department of Bio-technology, Mahatma Gandhi, Central University, Motihari Bihar in which 19 delegates presented the research papers.

In the valedictory session, chief guest was Dr. Niloy Khare, Scientific Advisor, Ministry of Earth Science, Govt. of India. The other distinguished guests of this session were Mr, Ashok Kumar M.L.A., U.P. Vidhan Sabha, DR. D.K. Srivastava, Joint Director, Council of Science & Technology UP Lucknow, Prof. Vijay Karn, Dean, Student Welfare Nav Nalanda University Bihar, Prof..Sumita Srivastava, Principal, Govt. Degree College Nainbagh Tehri Garhwal, Uttarakhand. They all gave following message-

मंगलमनहो, मंगलचिंतन। मंगलमयव्यवहारहमारा।। मंगलघरहो, मंगलपरिसर। मंगलमयपरिवेशहमारा।।

Based on research design, subject knowledge and presentation of papers in different technical sessions Dr. Shail Kulshrestha, Mr. Pradeep Pandey, Dr.Pratima Sharma, Ms. Shilpi Gupta and Ms. Neha Rawat were awarded with the best oral presentation. In poster session, first position was cracked by Ms. Anandika from University of Lucknow. second position by Ms. Reeta Singh from BSNVPG, College, Lucknow and third position by Ms. Pallavi Pandey and Ms. Nidhi Singh from Zoology Department, NSCB Govt. G. P. G. College, Lucknow.

At the end of the seminar a brief report had been presented by Dr. Raghvendra Pratap Nararyan, organising secretary. Formal Vote of thanks to all guests, delegates and participants was given by convener Dr. Sharad Kumar Vaish. The programme was compeered by Dr. Shalini Srivastava, Dr. Rajeev Yadav, Dr.Roshni Singh. Principal Prof. Anuradha Tiwari concluded the program with following message to the audience.

हरे दरेख्त न सही,थोड़ी सी घास रहने दें। जमीन के जिस्म पर कुछ तो लिबास रहने दें।।

Prof. Sharad Kumar Vaish Convener

Netaji Subhash Chandra Bose Govt. Girls P.G. College, Aliganj, Lucknow

National seminar

"Advancements and strategies for sustainable development and environmental protection"

17-18 January, 2023





































पर्यावरण सुरक्षा को आगे आएं छात्र : डॉ निलय

लखनऊ (एसएनबी)। अलीगंज स्थित नेताजी सभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का समापन हुआ। इस दौरान वैज्ञानिक भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डाक्टर निलय खरे ने कहा कि पर्यावरण की चिंता सारे समाज का सबसे पनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को पर्यावरण की सरक्षा आवश्यक रूप से करना चाहिये। हमारी गतिविधियों से पृथ्वी की सतह को प्रत्येक स्तर पर क्षय का सामना करना पड़ रहा है। आज प्रकृति असामान्य व्यवहार इसलिए कर रही है क्योंकि हमने उसके साथ संतलन बिठाना बंद कर दिया है।

रायबरेली के विधायक अशोक कमार ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण प्रकृति के उपहारों को नष्ट कर रहा है। नालन्दा विश्वविद्यालय के संस्कृत के विभागाध्यक्ष प्रो विजय कर्ण ने कहा कि हमारी संस्कृति वसधा हो हमारा परिवार है की है। इस दौरान विज्ञान व प्रौद्योगिक विभाग के संयक्त निदेशक डा डीके श्रीवास्तव, प्रो समिता श्रीवास्तव, प्रो शरद कमार वैश्य व डा राघवेंद्र प्रताप नारायण मौजदु थे।

'सिंगल यूज प्लास्टिक बेहद खतरनाक'

एनबीटी, लखनऊः नेताजी सुभाष चंद्र बोस महिला पीजी कॉलेज में 'सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण' विषयक सेमिनार में सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर भी चर्चा हुई। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डॉ. निलय खरे ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद खतरनाक है। इस मौके पर सलीन के विधायक अशोक कुमार, डॉ. डीके श्रीवास्तव, प्रो. विजय कर्ण, प्रो. शरद कुमार वैश्य, डॉ. राघवेंद्र प्रताप नारायण प्राचाय प्रो. अनुराधा तिवारी, डॉ. पृष्पा यादव, डॉ. ज्योति, डॉ. रोशनी, डॉ. राहुल, डॉ. पारुल मिश्रा सहित अन्य शिक्षिकाएं और छात्राएं मौजद रहीं।



'विद्यार्थी को पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए'

लखनऊ। भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डॉ. निलय खरे ने कहा विद्यार्थी को पर्यावरण की सुरक्षा आवश्यक रूप से करनी चाहिए। हमारी गतिविधियों से पृथ्वी की सतह को प्रत्येक स्तर पर क्षय का सामना करना पड़ रहा है। आज प्रकृति असामान्य व्यवहार इसलिए कर रही है क्योंकि हमने उसके साथ संतुलन बंद कर दिया है।

'विद्यार्थी करें पर्यावरण की सुरक्षा की सुरक्षा

जासं, लखनऊ : नेता जी सुभाष चंद्र बोस राजकीय पीजी कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का बुधवार को समापन हो गया। जलवाय जा परिवर्तन पर्यावरण प्रदूषण की वैश्विक समस्या पर अनेक विद्वानों वैज्ञानिकों तथा शिक्षाविदों ने अपने विचार रखे। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई शोधपत्र भी प्रस्तुत किए गए।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डा. निलय खरे ने कहा कि पर्यावरण की चिंता सारे समाज का सबसे पुनीत कार्य है। विद्यार्थी को पर्यावरण की सुरक्षा आवश्यक रूप से करना चाहिए। आज प्रकृति असामान्य व्यवहार इसलिए कर रही है क्योंकि हमने उसके साथ संतुलन बिठाना बंद कर दिया है। विशिष्ट अतिथि के रूप में सलोन रायबरेली के विधायक अशोक कुमार ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण प्रकृति के उपहारों को नष्ट कर रहा है। अपनी दक्षिण कोरिया यात्रा का वर्णन करते हुये उन्होंने कहा कि वहां किए जा रहे प्रयासों से हमें सबक लेना चाहिए। कार पूलिंग एवं सार्वजनिक यातायात व्यवस्था इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है। प्राचार्य प्रोफेसर अनुराधा तिवारी, विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग के संयुक्त निदेशक डा. डीके श्रीवास्तव, प्रोफेसर विजय कर्ण ने भी अपने विचार रखे।

लो मन शा में बन

पर्यावरण के प्रति जागरूक 🕺 हो वर्तमान पीढी : कुलपति



इतिहास से सबक लेकर ही हल हो सकेगी पर्यावरण की समस्या

प्राकृतिक सम्पदाओं के प्रति सामूहिंद् दायित्व – प्रोफेसर एस पोदार



पर्यावरण सुरक्षा को आगे आएं छात्र : डॉ निलय

लखनक (एसएनबी)। अलीगंज स्थित नेताजी सभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्टी का समापन हुआ। इस दौरान वैज्ञानिक भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डाक्टर निलय खरे ने कहा कि पर्यावरण की चिंता सारे समाज का सबसे पनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को पर्यावरण की सरक्षा आवश्यक रूप से करना चाहिये। हमारी गतिविधियों से पृथ्वी की सतह को प्रत्येक स्तर पर क्षव का सामना करना पड रहा है। आज प्रकृति असामान्य व्यवहार इसलिए कर रही है क्योंकि हमने उसके साथ संतलन विठाना बंद कर दिया है।

रायबरेली के विधायक अशोक कमार ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण प्रकृति के उपहारी को नष्ट कर रहा है। नालन्दा विश्वविद्यालय के संस्कृत के विभागाध्यक्ष प्रो विजय कर्ण ने कहा कि हमारी संस्कृति वसघा ही हमारा परिवार है की है। इस दौरान विज्ञान व प्रौद्योगिक विभाग के संयुक्त निदेशक डा डीके श्रीवास्तव, प्रो सर्मिता श्रीवास्तव, प्रो शरद कमार वैश्य व डा राधवेंद्र प्रताप नारायण मौजूद थे।

'प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफ बने कठोर कानून'

■ एनबीटी, लखनऊः पर्यावरण की समस्या का समाधान तभी होगा जब हम इतिहास की गल्तियों से सवक लेंगे। आने वाली पीढी की चिंता करना जरूरी है। विकास के लिए प्रकृति के प्रति आत्मीयता का वोध व सोच विकसित करने की जरूरत है। नेताजी सुभाष चंद्र वोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज मंगलवार को सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में ये वातें मख्य अतिथि महाराजा वीर विक्रम विश्वविद्यालय त्रिपरा के कलपति प्रफेसर सत्यदेव पोद्दार ने कही। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफ और कठोर कानून वनाने की पैरवी की। कार्यक्रम में वक्ता भ विज्ञान सर्वेक्षण के उप महाप्रवंधक डॉ. अमित धारवारकर, विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, नालंदा विवि में संस्कृत प्रफेसर विजय कर्ण, प्रफेसर अरुण मोहन शेरी, प्रफेसर एन के पाण्डेय भी मौजद रहे। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्य प्रो अनुराधा तिवारी समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

प्रकृति के प्रति संतुलित व्यवहार से ही घारणीय विकास सम्भव - डॉ निलय खरे



पर्यावरण की विंता समाज का सबसे पुनीत कार्य : डॉ निलय खरे

पर्यावरण सुरक्षा को आगे आएं छात्र : डॉ निलय

लखनऊ (एसएनबी)। अलीगंज स्थित नेताजी सभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का समापन हुआ। इस दौरान वैज्ञानिक भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डाक्टर निलय खरे ने कहा कि पर्यावरण की चिंता सारे समाज का सबसे पनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को पर्यावरण की सरक्षा आवश्यक रूप से करना चाहिये। हमारी गतिविधियों से पृथ्वी की सतह को प्रत्येक स्तर पर क्षय का सामना करना पड रहा है। आज प्रकृति असामान्य व्यवहार इसलिए कर रही है क्योंकि हमने उसके साथ संतलन बिठाना बंद कर दिया है।

रायबरेली के विधायक अशोक कमार ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण प्रकृति के उपहारों को नष्ट कर रहा है। नालन्दा विश्वविद्यालय के संस्कृत के विभागाध्यक्ष प्रो विजय कर्ण ने कहा कि हमारी संस्कृति वसधा ही हमारा परिवार है की है। इस दौरान विज्ञान व प्रौद्योगिक विभाग के संयक्त निदेशक डा डीके श्रीवास्तव, प्रो समिता श्रीवास्तव, प्रो शरद कमार वैश्य व डा राधवेद्र प्रताप नारायण मौजद थे।

विद्यार्थी को पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए'

है। भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सलाहकार डॉ. नितय खरे की सुरक्षा आवश्यक रूप से करनी चाहिए। हमा विषयों से पृथ्वी की सतह को प्रत्येक स्तर घर क्षय का सामना करना पड रहा है। आज प्रकृति असामान्य व्यवहार इसलिए कर रही है क्योंकि हमने उस